चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 12 सितंबर 2026, अंक –356.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

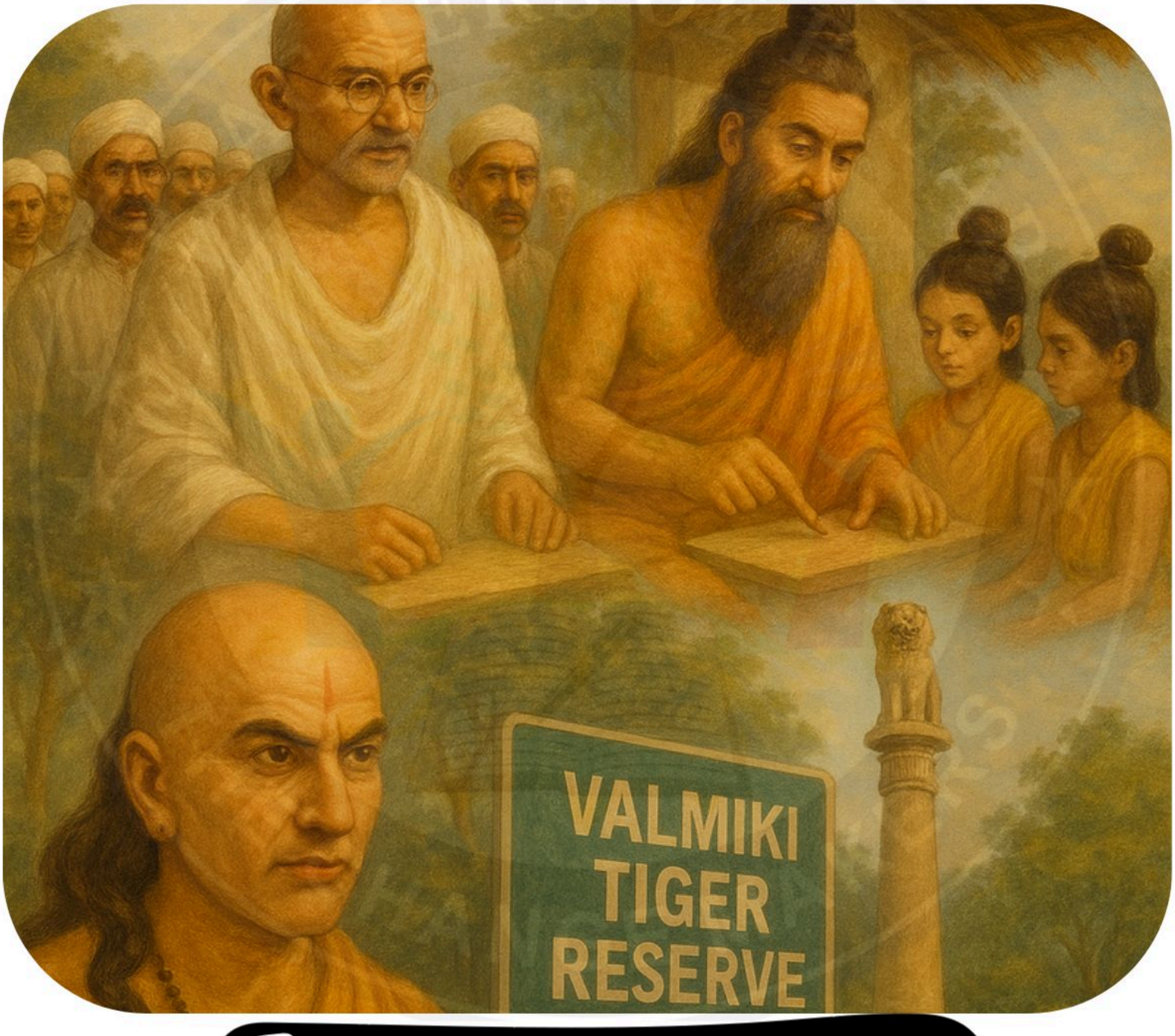

"सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।"

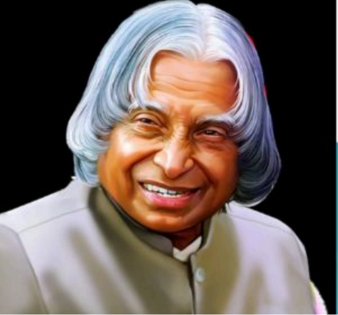

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

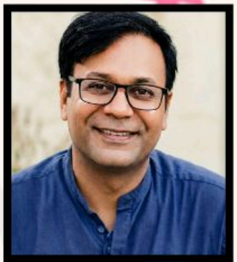

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. चिली की राजधानी क्या है?
उत्तर: सैंटियागो
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी कौन थीं?
उत्तर: किरण बेदी
प्रश्न 3. 'यक्षगान' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनाट्य परंपरा है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 4. 2 घंटे 30 मिनट में कुल कितने मिनट होते हैं?
उत्तर: 150 मिनट
प्रश्न 5. बिहार का 'मुंडेश्वरी देवी मंदिर' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: कैमूर
प्रश्न 6. कौन-सा जीव अपने शरीर का रंग बदलने के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: गिरगिट
प्रश्न 7. टाइपराइटर के प्रारंभिक व्यावहारिक आविष्कार से किसका नाम जुड़ा है?
उत्तर: क्रिस्टोफर शोल्स
प्रश्न 8. भारत के संविधान में मौलिक अधिकार किस भाग में दिए गए हैं?
उत्तर: भाग III
प्रश्न 9. 'जो सत्य बोलता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: सत्यवादी
प्रश्न 10. पौधों में पत्तियों का मुख्य कार्य क्या है?

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Laboratory - लैबोरेटरी - प्रयोगशाला
2️⃣ Dictionary - डिक्शनरी - शब्दकोश
3️⃣ Paragraph - पैराग्राफ - अनुच्छेद
4️⃣ Chapter - चैप्टर - अध्याय
5️⃣ Grammar - ग्रामर - व्याकरण
6️⃣ Sentence - सेंटेन्स - वाक्य
7️⃣ Vocabulary - वोकेब्युलरी - शब्दावली

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “Are you going to + V1?”
(क्या तुम/आप ... करने वाले हो?)

क्या तुम आज बाजार जाने वाले हो? – Are you going to go to the market today?
क्या तुम यह किताब पढ़ने वाले हो? – Are you going to read this book?
क्या तुम अपने दोस्त से मिलने वाले हो? – Are you going to meet your friend?
क्या तुम आज खाना बनाने वाले हो? – Are you going to cook food today?
क्या तुम अपना कमरा साफ करने वाले हो? – Are you going to clean your room?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

प्र.1. प्रतिवर्ष 12 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विकासशील देशों के मध्य आर्थिक, सामाजिक एवं तकनीकी साझेदारी को सुदृढ़ करने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस

व्याख्या: 12 सितंबर को प्रतिवर्ष 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस' (United Nations Day for South-South Cooperation) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2003 में संकल्प संख्या 58/220 पारित कर 12 सितंबर 1978 को अपनाए गए 'ब्यूनस आयर्स प्लान ऑफ एक्शन' (BAPA) की ऐतिहासिक स्मृति में यह दिन घोषित किया था। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्लोबल साउथ (विकासशील और अल्पविकसित राष्ट्रों) के बीच गरीबी उन्मूलन, सतत विकास लक्ष्य (SDG) की प्राप्ति, तकनीकी हस्तांतरण, व्यापार विस्तार और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से मिलकर निपटने हेतु पारस्परिक सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत इस मंच पर विकासशील देशों को 'भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग' (ITEC) के माध्यम से निरंतर सहयोग प्रदान कर रहा है।

संदर्भ: UN General Assembly Resolution 58/220;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा देश के अंतर्देशीय जलमार्गों को रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने हेतु किस एकीकृत मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (ULIP एकीकरण)

व्याख्या: सितंबर 2026 में भारत सरकार द्वारा 'पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के तहत देश भर में लॉजिस्टिक्स लागत को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 8-9% तक लाने के उद्देश्य से 'यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म' (ULIP) का पूर्ण बहु-मॉडल विस्तार किया गया। इसके माध्यम से गंगा (राष्ट्रीय जलमार्ग-1) और ब्रह्मपुत्र (राष्ट्रीय जलमार्ग-2) के प्रमुख रिवराइन बंदरगाहों को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) और भारतमाला राजमार्ग नेटवर्क से सीधे जोड़ दिया गया है। यह पहल कृषि उपजों, उर्वरकों और औद्योगिक मालों की निर्बाध ढुलाई सुनिश्चित कर क्षेत्रीय व्यापार को अभूतपूर्व गति प्रदान कर रही है।

संदर्भ: Ministry of Commerce and Industry / DPIIT Press Release September 2026;

प्र.3. पाप और पुण्य की पारंपरिक अवधारणाओं पर गहरा दार्शनिक विमर्श प्रस्तुत करने वाले हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यास 'चित्रलेखा' (1934) के रचनाकार कौन हैं? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: भगवती चरण वर्मा

व्याख्या: 'चित्रलेखा' (1934) प्रसिद्ध उपन्यासकार भगवती चरण वर्मा की कालजयी और सर्वाधिक लोकप्रिय औपनिवेशिक युगीन कृति है। यह उपन्यास मौर्य काल की पृष्ठभूमि में पाटलिपुत्र की प्रसिद्ध नर्तकी चित्रलेखा, महाप्रभु रत्नांबर, योगी कुमारगिरि और सामंत बीजगुप्त के चरित्रों के माध्यम से रचा गया है। इसमें लेखक ने यह दार्शनिक प्रश्न उठाया है कि 'संसार में पाप और पुण्य क्या है?' अंततः यह निष्कर्ष निकलता है कि मनुष्य परिस्थितियों का दास है; कोई भी व्यक्ति पूर्णतः पापी या पुण्यात्मा नहीं होता, बल्कि व्यक्ति की मनोवृत्ति और विवशता ही उसके कर्म का निर्धारण करती है। इस कृति को हिंदी साहित्य का क्लासिक माना जाता है।

संदर्भ: भगवती चरण वर्मा – 'चित्रलेखा', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य संदर्भ); BPSC/UPSC Hindi Literature Compendium

प्र.4. अत्यधिक वायु प्रदूषण और स्थिर मौसम में वाहनों व कारखानों से निकलने वाले धुएं में मौजूद सूक्ष्म कणों तथा ओजोन की क्रिया से बनने वाले 'प्रकाश-रासायनिक धूम-कोहरे' (Photochemical Smog) के मुख्य घटक क्या हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_x) एवं वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (VOCs)

व्याख्या: प्रकाश-रासायनिक धूम-कोहरा (Photochemical Smog) एक द्वितीयक वायु प्रदूषक है, जो शुष्क, गर्म और तेज धूप वाले मौसम में स्वचालित वाहनों तथा औद्योगिक संयंत्रों से उत्सर्जित नाइट्रोजन के ऑक्साइडों (NO_x) और अनजले हाइड्रोकार्बनों (वाष्पशील कार्बनिक यौगिक - VOCs) पर सूर्य के प्रकाश की पराबैंगनी किरणों की क्रिया से बनता है। इसके मुख्य घटकों में ओजोन (O_3), पैन (Peroxyacetyl Nitrate - PAN) और फॉर्मेल्डिहाइड शामिल हैं। यह कोहरा आंखों में तीव्र जलन, फेफड़ों की गंभीर सूजन, अस्थमा, श्वास संबंधी विकार और दृश्यता में भारी कमी का कारण बनता है तथा पेड़-पौधों के प्रकाश संश्लेषण को गंभीर रूप से बाधित करता है।

संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 408–412;

प्र.5. ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड कर्जन द्वारा 1905 में 'प्रशासनिक सुविधा' का बहाना बनाकर किया गया बंगाल विभाजन वास्तव में किस राष्ट्रवादी चेतना को तोड़ने हेतु किया गया था और इसके विरोध में कौन-सा आंदोलन शुरू हुआ था? (इतिहास)

उत्तर: भारतीय राष्ट्रवाद को कमजोर करना; स्वदेशी एवं बहिष्कार आंदोलन (1905)

व्याख्या: 1905 में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड कर्जन ने प्रशासनिक दक्षता का तर्क देकर बंगाल को दो भागों – पूर्वी बंगाल (मुस्लिम बहुल) और शेष बंगाल (हिंदू बहुल) में विभाजित करने का आदेश दिया। इसका वास्तविक राजनीतिक उद्देश्य बंगाल में उभर रहे उग्र राष्ट्रवाद की धुरी को तोड़ना तथा हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना था। इस कुटिल विभाजन के विरोध में 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में ऐतिहासिक 'स्वदेशी आंदोलन' और विदेशी माल के बहिष्कार की घोषणा की गई। लोगों ने गंगा स्नान कर एक-दूसरे को 'राखी' बांधी और 'वंदे मातरम्' गाया। तीव्र जन-आंदोलन के कारण अंततः 1911 में ब्रिटिश सरकार को बंगाल विभाजन रद्द करना पड़ा।

संदर्भ: NCERT History Class 10 (भारत और समकालीन विश्व-2), Ch 2 "भारत में राष्ट्रवाद", p. 30–35;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी प्रणाली कौन-सी है, जो महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्र्यंबकेश्वर से निकलती है और अपने विशाल आकार तथा विस्तार के कारण 'दक्षिण गंगा' या 'वृद्ध गंगा' कहलाती है? (भूगोल)

उत्तर: गोदावरी नदी (Godavari River)

व्याख्या: गोदावरी नदी प्रायद्वीपीय भारत की सबसे बड़ी और सबसे लंबी नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1,465 किलोमीटर है। इसका उद्गम पश्चिमी घाट में महाराष्ट्र के नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर से होता है। यह महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के विशाल अपवाह बेसिन से होकर बहती हुई बंगाल की खाड़ी में एक विशाल डेल्टा बनाती है। इसके विशाल जल-ग्रहण क्षेत्र और लंबाई के कारण इसे 'दक्षिण गंगा' या 'वृद्ध गंगा' कहा जाता है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में प्रवर, पूर्णा, मंजरा, पेनगंगा, वर्धा, वैनगंगा, प्राणहिता और इंद्रावती शामिल हैं। इस पर महाराष्ट्र का प्रसिद्ध 'जायकवाड़ी बांध' और आंध्र प्रदेश का 'पोलावरम प्रोजेक्ट' निर्मित हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 21–23;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद और भाग में संसद को संविधान तथा उसकी व्यवस्थाओं में संशोधन करने की संवैधानिक शक्ति प्रदान की गई है, जो दक्षिण अफ्रीका के संविधान से प्रेरित है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 368 (भाग-XX)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XX में निहित 'अनुच्छेद 368' संसद को संविधान के किसी भी उपबंध में संशोधन, परिवर्तन या निरसन करने की औपचारिक शक्ति प्रदान करता है। भारत में संशोधन की प्रक्रिया न तो ब्रिटेन की तरह अत्यधिक लचीली है और न ही अमेरिका की तरह अत्यधिक कठोर। अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन दो प्रकार से होते हैं: (1) संसद के प्रत्येक सदन में कुल सदस्य संख्या के बहुमत और उपस्थित व मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई विशेष बहुमत द्वारा; (2) विशेष बहुमत के साथ-साथ कम से कम आधे राज्यों के विधानमंडलों के साधारण बहुमत से अनुसमर्थन द्वारा। 'केशवानंद भारती वाद' (1973) में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संसद संविधान के किसी भी भाग में संशोधन कर सकती है, परंतु वह उसके 'मूल ढांचे' (Basic Structure) को नष्ट नहीं कर सकती।

संदर्भ: Constitution of India, Part XX, Article 368; NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. दृष्टि के किस दोष में व्यक्ति को दूर की वस्तुएं तो स्पष्ट दिखाई देती हैं परंतु निकट की वस्तुएं धुंधली दिखाई देती हैं, और इसके निवारण हेतु चश्मे में किस लेंस का उपयोग किया जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: दूर-दृष्टि दोष (हाइपरमेट्रोपिया / Hypermetropia); उत्तल लेंस (Convex Lens)

व्याख्या: दूर-दृष्टि दोष (Hypermetropia) से पीड़ित व्यक्ति दूर स्थित वस्तुओं को तो स्पष्ट देख सकता है, परंतु निकट रखी वस्तुओं का प्रतिबिंब रेटिना के पीछे (Behind the Retina) बनने के कारण पास की वस्तुएं धुंधली दिखाई देती हैं। इसका सामान्य निकट बिंदु (Near Point) 25 सेमी से दूर हट जाता है। इसके मुख्य दो कारण होते हैं: (1) अभिनेत्र लेंस की फोकस दूरी का अत्यधिक बढ़ जाना, अथवा (2) नेत्र गोलक का छोटा हो जाना। इस दृष्टि दोष के निवारण हेतु उपयुक्त क्षमता वाले 'उत्तल लेंस' (अभिसारी लेंस / Convex Lens) का चश्मा प्रयोग किया जाता है, जो निकट से आने वाली प्रकाश किरणों को पहले ही मोड़कर (अभिसरित कर) प्रतिबिंब को ठीक रेटिना पर केंद्रित कर देता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 11 "मानव नेत्र तथा रंगबिरंगा संसार", p. 212–214;

प्र.9. मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में 10वीं से 11वीं शताब्दी के मध्य चंदेल राजपूत शासकों द्वारा नागर शैली में निर्मित वह कौन-सा भव्य मंदिर समूह है, जिसका 'कंदरिया महादेव मंदिर' स्थापत्य कला का शिखर माना जाता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: खजुराहो के मंदिर समूह (Khajuraho Group of Monuments)

व्याख्या: खजुराहो मंदिर परिसर मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (1986) है। इन भव्य मंदिरों का निर्माण 950 ईस्वी से 1050 ईस्वी के मध्य चंदेल वंश के प्रतापी राजाओं (यशोवर्मन, धंगदेव और गंडदेव) द्वारा कराया गया था। यह मंदिर समूह हिंदू (शैव, वैष्णव) और जैन धर्म के सौहार्दपूर्ण समन्वय का प्रतीक है। ये मंदिर उत्तर भारतीय 'नागर शैली' के चरमोत्कर्ष हैं, जो ऊंचे अधिष्ठान (चबूतरे), गर्भगृह, अंतराल, मंडप और पर्वत-शिखरों जैसे दिखने वाले शिखरों से सुसज्जित हैं। इनमें बलुआ पत्थर से निर्मित 'कंदरिया महादेव मंदिर' अपनी सूक्ष्म मूर्तिकला, नक्काशी और आध्यात्मिक-सौंदर्यशास्त्रीय शिल्पकला के लिए विश्वविख्यात है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p.

प्र.10. बिहार के बेगूसराय जिले में गंडक नदी के विसर्पण और मार्ग परिवर्तन से निर्मित एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की गोखुर झील (Oxbow Lake) कौन-सी है, जिसे राज्य का पहला रामसर स्थल घोषित किया गया है? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: कांवर ताल झील (कबरताल / Kabartal Wetland)

व्याख्या: कांवर ताल (कबरताल) झील बिहार के बेगूसराय जिले के मंझौल अनुमंडल में स्थित एक विशाल प्राकृतिक आर्द्रभूमि है। यह गंडक नदी की पुरानी धारा के मार्ग परिवर्तन और विसर्पण के छूट जाने से बनी एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की 'गोखुर झील' (Oxbow Lake) है। यह लगभग 2,620 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तृत है। शीत ऋतु में मध्य एशिया, रूस और साइबेरिया से आने वाले 100 से अधिक प्रजातियों के प्रवासी पक्षियों के लिए यह एक प्रमुख शरणगाह है। पक्षियों के संरक्षण हेतु 1989 में इसे पक्षी विहार का दर्जा दिया गया था तथा वर्ष 2020 में इसे बिहार के पहले (और देश के 39वें) 'रामसर स्थल' (Ramsar Site) के रूप में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई।

संदर्भ: Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC) Ramsar

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W2 – सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) के अनुसार सड़क पार करते समय पैदल यात्रियों हेतु 'ज़ेबरा क्रॉसिंग' का नियम क्या है और रेलवे ट्रैक पार करते समय किन दो जानलेवा गलतियों से पूरी तरह बचना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: ज़ेबरा क्रॉसिंग पर दाएँ-बाएँ देखकर पार करना; कान में ईयरफोन लगाना और बंद फाटक पार करना वर्जित

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W2: सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव) के अनुसार, सड़क और रेलवे ट्रैक पर अनुशासनहीनता दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है। पैदल यात्रियों और छात्रों हेतु सुरक्षा नियम: (1) सड़क पार करते समय सदैव सफेद-काली पट्टियों वाली 'ज़ेबरा क्रॉसिंग' और पैदल सबवे या फुटओवर ब्रिज का उपयोग करें; पार करने से पूर्व पहले दाईं ओर, फिर बाईं ओर और पुनः दाईं ओर देखकर सुनिश्चित करें कि कोई वाहन नहीं आ रहा हो; (2) रेलवे ट्रैक पार करते समय कभी भी कान में ईयरफोन/हेडफोन न लगाएं और न ही मोबाइल पर बात करें, क्योंकि इससे आती हुई ट्रेन की सीटी या कंपन का आभास नहीं होता; (3) रेलवे क्रॉसिंग पर जब लाल बत्ती जल रही हो या फाटक बंद हो, तो कभी भी नीचे से झुककर पटरी पार न करें; (4) दो पटरियों के बीच खड़े होने से बचें और हमेशा अधिकृत फुटओवर ब्रिज से ही प्रयोग करें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W2 — "सड़क/रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी";

प्र.12. एक व्यक्ति अपनी कुल यात्रा का 2/5 भाग रेलगाड़ी से, 1/3 भाग बस से तथा शेष बची हुई 20 किलोमीटर की दूरी साइकिल से तय करता है। बताइए उस व्यक्ति द्वारा तय की गई पूरी यात्रा की कुल दूरी कितने किलोमीटर है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 75 किलोमीटर

व्याख्या: यह भिन्न (Fractions) और एक चर वाले रैखिक समीकरण पर आधारित व्यावहारिक गणितीय प्रश्न है।
माना कि व्यक्ति द्वारा तय की गई कुल यात्रा की दूरी = x किलोमीटर है।, रेलगाड़ी द्वारा तय दूरी = (2/5)x, बस द्वारा तय दूरी = (1/3)xरेलगाड़ी और बस द्वारा तय की गई संयुक्त दूरी = (2/5)x + (1/3)x, भिन्न का योग करने हेतु 5 और 3 का ल.स. (LCM) = 15 होगा:, संयुक्त दूरी = (6x + 5x) / 15 = (11/15)xशेष बची हुई दूरी = कुल दूरी - संयुक्त दूरी
शेष दूरी = x - (11/15)x = (15x - 11x) / 15 = (4/15)x
प्रश्नानुसार शेष दूरी 20 किलोमीटर के बराबर है:

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

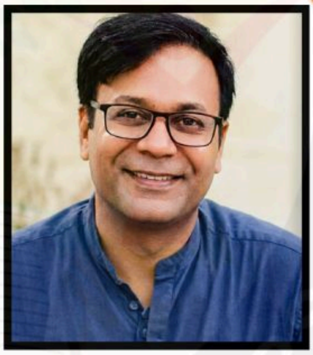

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Garrulous (गैरुलस) = Talkative (टॉकटिव) = बहुत बोलने वाला / बातूनी
   Antonym – Taciturn (टैसिटर्न) = मितभाषी / कम बोलने वाला
2. Heinous (हेइनस) = Atrocious (अट्रोशस) = जघन्य / घोर दुष्टतापूर्ण
   Antonym – Admirable (ऐड्मिरेबल) = प्रशंसनीय
3. Innuendo (इन्यूएन्डो) = Implication (इम्प्लिकेशन) = परोक्ष संकेत / अप्रत्यक्ष कटाक्ष
   Antonym – Explicitness (एक्स्प्लिसिटनेस) = स्पष्टता / प्रत्यक्षता
4. Meticulous (मेटिक्युलस) = Scrupulous (स्क्रूप्युलस) = अत्यंत सावधान / बारीकी से काम करने वाला
   Antonym – Negligent (नेग्लिजेन्ट) = लापरवाह / उपेक्षापूर्ण
5. Ubiquitous (यू-बिक्विटस) = Omnipresent (ऑम्निप्रेज़ेन्ट) = सर्वव्यापी / हर जगह मौजूद
   Antonym – Rare (रेयर) = दुर्लभ

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

18th BRICS Summit begins tomorrow in New Delhi; PM Modi to host Xi, Putin, Pezeshkian and leaders of 10 member nations
हिन्दी अनुवाद: 18वाँ BRICS शिखर सम्मेलन कल से नई दिल्ली में शुरू; PM मोदी शी, पुतिन, पेज़ेशकियन और 10 सदस्य देशों के नेताओं की मेज़बानी करेंगे।�
भारत मंडपम में 12-13 सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन की थीम — "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability" है। आज 'भारत इनोवेट्स एक्सपोज़िशन' शुरू हुआ जो भारत की डीप-टेक नवाचारों को प्रदर्शित कर रहा है। BRICS अब 21 सदस्यों वाला समूह बन गया है जो वैश्विक GDP का ~41% हिस्सा रखता है। UPSC/BPSC के लिए: BRICS — 10 पूर्ण सदस्य (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, UAE, इंडोनेशिया); NDB — न्यू डेवलपमेंट बैंक।

Modi-Putin bilateral: Defence, energy, $100 billion trade target on agenda; S-400, Su-57, BrahMos-NG in focus
हिन्दी अनुवाद: मोदी-पुतिन द्विपक्षीय: रक्षा, ऊर्जा, 100 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य एजेंडे में; S-400, Su-57, ब्रह्मोस-NG प्रमुख चर्चा बिंदु।�
PM मोदी ने पुतिन के साथ विस्तृत वार्ता की जिसमें रक्षा आधुनिकीकरण, ऊर्जा सहयोग और द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक $100 बिलियन तक बढ़ाने पर चर्चा हुई। क्रेमलिन ने कहा कि Su-57 फाइटर जेट की आपूर्ति और तकनीक हस्तांतरण, S-400 की शेष डिलीवरी और ब्रह्मोस-NG अपग्रेड पर बातचीत हुई। PM ने पुतिन को तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद उपहार में दिया। UPSC/BPSC के लिए: Su-57 — पाँचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर; S-400 — वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली; BrahMos-NG — अगली पीढ़ी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल।

PM Modi meets UN Secretary-General Guterres on sidelines of BRICS; discusses multipolarity, UNSC reforms
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने BRICS के मार्जिन पर UN महासचिव गुटेरेस से मुलाकात की; बहुध्रुवीयता, UNSC सुधार पर चर्चा।
�
दोनों नेताओं ने जलवायु परिवर्तन, बहुपक्षीयवाद, UN सुधार और वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया। गुटेरेस ने BRICS शिखर में संबोधित किया और UNSC में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। UPSC/BPSC के लिए: UNSG — संयुक्त राष्ट्र महासचिव; UNSC reform — G4 देश (भारत, जापान, जर्मनी, ब्राज़ील) की स्थायी सदस्यता की दावेदारी।

INTERNATIONAL NEWS

Iran President Pezeshkian arrives in Delhi for BRICS Summit; calls bloc 'tool against US pressure and unilateralism'
हिन्दी अनुवाद: ईरान के राष्ट्रपति पेज़ेशकियन BRICS शिखर के लिए दिल्ली पहुंचे; ब्लॉक को 'अमेरिकी दबाव और एकांगीवाद के खिलाफ उपकरण' कहा।�
पेज़ेशकियन ने कहा कि BRICS अब 21 सदस्यों वाला समूह है जो एकांगीवाद का मुकाबला करने और आर्थिक, व्यापार, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने का मंच है। वे होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव और US-ईरान संघर्ष के बीच भारत आए हैं। UPSC/BPSC के लिए: BRICS expansion — 2024-26 में नए सदस्य शामिल; Strait of Hormuz — वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% मार्ग।

IAEA refers Iran to UNSC over nuclear non-compliance; first time in 20 years — resolution passed 23-5
हिन्दी अनुवाद: आईएईए ने ईरान को परमाणु अनुपालन न करने पर UNSC में भेजा — 20 वर्ष में पहली बार; प्रस्ताव 23-5 से पारित।
�
यह प्रस्ताव अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा प्रस्तुत किया गया था। रूस, चीन और कतर ने विरोध किया। ईरान ने इस निर्णय को 'अप्रासंगिक' कहा और UN कार्रवाई की मांग की। यह कदम US-ईरान तनाव और होर्मुज़ में युद्धविराम को प्रभावित कर सकता है। UPSC/BPSC के लिए: IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी; JCPOA — 2015 का परमाणु समझौता; UNSC — संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद।

BRICS Summit overshadowed by Iran war, Ukraine conflict; bloc seeks greater global clout amid divisions
हिन्दी अनुवाद: BRICS शिखर सम्मेलन ईरान युद्ध और यूक्रेन संघर्ष की छाया में; ब्लॉक विभाजनों के बीच अधिक वैश्विक प्रभाव की तलाश में।�
पश्चिमी देश इस शिखर पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं क्योंकि यह पहली बार है जब मोदी, शी, पुतिन और पेज़ेशकियन एक ही गैर-पश्चिमी मंच पर एकत्र हो रहे हैं। एजेंडे में स्थानीय मुद्रा भुगतान, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शासन सुधार शामिल हैं। UPSC/BPSC के लिए: Global South — विकासशील देशों का समूह; De-dollarisation — डॉलर पर निर्भरता कम करना।

BIHAR NEWS

Bihar floods: 46.88 lakh affected across 15 districts; Ganga at Sultanganj flows at 36.62m (2.12m above danger level)
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: 15 जिलों में 46.88 लाख प्रभावित; सुल्तानगंज में गंगा 36.62 मीटर पर बह रही (खतरे के स्तर से 2.12 मीटर ऊपर)।�
आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार गंगा, गंडक, कोसी, बुरही गंडक, बागमती और घाघरा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। 1,194 सामुदायिक रसोई और 15 राहत शिविर चलाए गए हैं जहाँ 11,255 लोगों को आश्रय मिला है। 3.10 लाख पॉलीथीन शीट और 48,300 सूखा राशन पैकेट वितरित किए गए हैं। प्रभावित जिले: पटना, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया, लखीसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, बक्सर, समस्तीपुर, कटिहार, पूर्णिया, मधेपुरा, अरवल, बेगूसराय। UPSC/BPSC के लिए: HFL — Highest Flood Level; NDRF/SDRF — राष्ट्रीय/राज्य आपदा मोचन बल।

Embankment breaches in Bhagalpur; more rain forecast, flood fears heighten in downstream areas
हिन्दी अनुवाद: भागलपुर में बांध टूटे; और बारिश की भविष्यवाणी, निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ा।�
बाढ़ के पानी से बांध टूटने के कारण और नुकसान और विस्थापन की आशंका बढ़ गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने निचले इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। CM सम्राट चौधरी ने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। UPSC/BPSC के लिए: Embankment — बाढ़ नियंत्रण के लिए मिट्टी की दीवार; flood management — SDMA और DDMP के तहत।

SPORTS NEWS

Women's Asia Cup 2026: India defeats Bangladesh by 40 runs, enters 10th consecutive final; to face Sri Lanka or Pakistan on September 13
हिन्दी अनुवाद: महिला एशिया कप 2026: भारत ने बांग्लादेश को 40 रनों से हराया, लगातार 10वें फाइनल में पहुंचा; 13 सितंबर को श्रीलंका या पाकिस्तान से भिड़ेगा।�
दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाए। शफाली वर्मा ने 64 रन की पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 3/26 लिए। बांग्लादेश 109 रनों पर ऑल-आउट हो गया। भारत ने 2004 से लगातार हर एशिया कप का फाइनल खेला है। UPSC/BPSC के लिए: Women's Asia Cup — एशियाई महिला क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित; T20I प्रारूप।

Global Chess League continues in Bengaluru; Indian para-archers' 7-medal haul at World Archery Para Series Stage III concluded
हिन्दी अनुवाद: ग्लोबल चेस लीग बेंगलुरु में जारी; वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज स्टेज-III में भारतीय पैरा तीरंदाजों का 7 पदक अभियान संपन्न।
शीतल देवी और हरविंदर सिंह ने क्रमशः कंपाउंड और रिकर्व वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। भारत ने कुल 2 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक के साथ टूर्नामेंट में प्रभुत्व दिखाया। UPSC/BPSC के लिए: World Archery — अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी महासंघ; Para Archery — पैरालंपिक खेलों का हिस्सा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है।

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी

एक कदम सावधानी का

(सड़क एवं रेल दुर्घटना से बचाव: सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र: शिक्षक, अंश, सुमित, नेहा और कुछ विद्यार्थी
दृश्य: विद्यालय का प्रांगण। सुरक्षित शनिवार की गतिविधि चल रही है।
शिक्षक: आज हम ऐसी गलतियों की बात करेंगे, जो छोटी लगती हैं, लेकिन कभी-कभी बड़ा हादसा कर देती हैं।
अंश: जैसे सड़क पार करते समय इधर-उधर न देखना?
शिक्षक: बिल्कुल। सड़क पार करने से पहले रुकना, दोनों ओर देखना और सुरक्षित स्थान से ही सड़क पार करना जरूरी है। जहाँ फुटपाथ, ज़ेब्रा क्रॉसिंग या पैदल पार-पथ उपलब्ध हो, उसका उपयोग करना चाहिए।
नेहा: वाहन पर बैठते समय?
शिक्षक: दोपहिया वाहन पर हेलमेट और कार में सीट बेल्ट सुरक्षा के जरूरी साधन हैं। वाहन चलाते समय मोबाइल देखना, तेज गति या लापरवाही दुर्घटना का कारण बन सकती है।
सुमित: रेल यात्रा में सबसे बड़ी सावधानी क्या है?
शिक्षक: रेलवे पटरी कभी रास्ता नहीं होती। पटरी पर चलना, खेलना या शॉर्टकट के लिए उसे पार करना खतरनाक है। हमेशा निर्धारित पुल, फुटओवर ब्रिज या अधिकृत क्रॉसिंग का ही उपयोग करो।
अंश: अगर ट्रेन आ रही हो और कोई जल्दी में पटरी पार करने लगे?
शिक्षक: उसे रोकने की कोशिश करो, लेकिन स्वयं खतरे में मत पड़ो। तुरंत रेलवे कर्मचारी या संबंधित सुरक्षा व्यवस्था को सूचना दो।
नेहा: चलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़ा होना या चढ़ना-उतरना भी खतरनाक है।
शिक्षक: सही। याद रखो—जल्दी कभी जीवन से बड़ी नहीं होती।
सभी बच्चे एक साथ कहते हैं—
"सड़क हो या रेल की राह,
सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।"
शिक्षक: सुरक्षित शनिवार का उद्देश्य केवल नियम याद करना नहीं, बल्कि उन्हें अपनी आदत बनाना है। एक छोटी सावधानी हमें दुर्घटना से बचा सकती है और किसी परिवार की खुशियाँ सुरक्षित रख सकती है।
सभी विद्यार्थी: "हम नियम जानेंगे, नियम मानेंगे और दूसरों को भी सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करेंगे।"

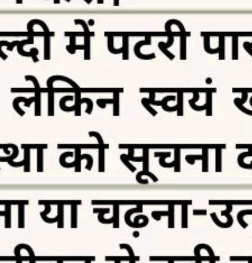

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- • यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों मे बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- • शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

भारत निर्माता, जीवनी शतकम्" अनुभाग-8

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई

प्यारे बच्चों, क्या आपने वह सुंदर कविता सुनी है—"बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी"? जब भी हम किसी साहसी बेटी की बात करते हैं, तो सबसे पहले झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का नाम याद आता है। वे एक ऐसी वीरांगना थीं, जिन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत के बड़े-बड़े जनरलों के पसीने छुड़ा दिए थे। उनका जन्म 19 नवंबर 1828 को पवित्र नगरी काशी (वाराणसी) में हुआ था। उनके पिता का नाम मोरोपंत तांबे था, जो बिठूर के पेशवा बाजीराव द्वितीय की सेवा में थे। उनकी माता का नाम भागीरथी बाई था, जो अत्यंत दयालु, संस्कारी और विदुषी महिला थीं। माता-पिता ने अपनी इस लाडली बेटी का नाम बड़े प्यार से 'मणिकर्णिका' रखा था और घर में सब उन्हें 'मनु' कहकर पुकारते थे। जब नन्ही मनु मात्र चार वर्ष की थीं, तब उनकी माँ का साया सिर से उठ गया। पिता मोरोपंत उन्हें अपने साथ बिठूर ले आए। बिठूर के महल में पेशवा ने मनु को अपनी सगी बेटी जैसा दुलार दिया। वहाँ नन्हीं मनु अपनी उम्र की दूसरी बालिकाओं की तरह केवल गुड़ियों से नहीं खेलती थीं, बल्कि उन्हें अस्त्र-शस्त्र चलाने का गहरा शौक था। वे नाना साहब और तात्या टोपे के साथ तीरंदाज़ी, तलवारबाज़ी और घुड़सवारी सीखती थीं। उनकी चंचलता, फुर्ती और मासूमियत देखकर पेशवा उन्हें प्यार से 'छबीली' कहकर बुलाते थे। मनु इतनी निडर थीं कि वे तेज़ दौड़ते हुए घोड़ों की पीठ पर बिना किसी भय के छलांग लगा लेती थीं और दोनों हाथों से तलवार चलाने में माहिर थीं।

बड़ी होने पर मनु का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ। विवाह के बाद उनका नाम 'लक्ष्मीबाई' पड़ा और वे झाँसी की रानी बनीं। कुछ वर्षों बाद राजा गंगाधर राव बीमार पड़े और उनका देहांत हो गया। रानी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, परंतु वे तनिक भी नहीं घबराईं। उन्होंने एक छोटे बालक दामोदर राव को गोद लिया और झाँसी का राजकाज अपने हाथों में ले लिया। उस समय के अंग्रेज़ वायसराय लॉर्ड डलहौज़ी ने सोचा कि झाँसी में अब कोई राजा नहीं है, इसलिए आसानी से झाँसी को हड़प लिया जाए। उसने हुक्म भेजा कि झाँसी अब अंग्रेज़ों की होगी। यह सुनते ही वीरांगना लक्ष्मीबाई ने सिंहनी की तरह दहाड़ कर कहा—"मैं अपनी झाँसी कदापि नहीं दूँगी!"

वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में जब अंग्रेज़ों की भारी सेना ने झाँसी के किले को चारों तरफ से घेर लिया, तब रानी ने अद्भुत पराक्रम दिखाया। उन्होंने अपने नन्हे दत्तक पुत्र दामोदर राव को कपड़े से अपनी पीठ पर कसकर बाँधा, दोनों हाथों में नंगी तलवारें लीं और घोड़े की लगाम अपने दाँतों में दबाकर किले की ऊँची दीवार से नीचे छलांग लगा दी! वे बिजली की गति से दुश्मनों की सेना को चीरती हुई आगे बढ़ गईं। 18 जून 1858 को ग्वालियर के पास कोटा की सराय में लड़ते हुए उन्होंने मातृभूमि के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। युद्ध में उनका मुकाबला करने वाले अंग्रेज़ अफसर जनरल ह्यूरोज़ ने भी झुककर कहा था कि "विद्रोहियों में रानी लक्ष्मीबाई ही अकेली असली मर्द थीं।" प्यारे बच्चों, रानी लक्ष्मीबाई का जीवन हमें सिखाता है कि बेटियाँ किसी से कम नहीं होतीं और हमें हर कठिनाई का सामना असीम साहस व आत्मसम्मान के साथ करना चाहिए।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org